KARNATAK UNIVERSITY, DHARWAD
ACADEMIC (S&T) SECTION
ಕರ್ನಾಟಕ ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾಲಯ, ಧಾರವಾಡ
ವಿದ್ಯಾಮಂಡಳ (ಎಸ್&ಟಿ) ವಿಭಾಗ

ಸ್ವಾತಂತ್ರ್ಯದ ಅಮೃತ ಮಹೋತ್ಸವ

Tele: 0836-2215224
e-mail: academic.st@kud.ac.in
Pavate Nagar,Dharwad-580003
ಪಾವಟೆ ನಗರ, ಧಾರವಾಡ – 580003

NAAC Accredited
'A' Grade 2014

website: kud.ac.in

No. KU/Aca(S&T)/SSL-394A/2022-23/1057 Date: 23 SEP 2022

ಅಧಿಸೂಚನೆ

ವಿಷಯ: 2022–23ನೇ ಶೈಕ್ಷಣಿಕ ಸಾಲಿನಿಂದ ಎಲ್ಲ ಸ್ನಾತಕ ಕೋರ್ಸಗಳಿಗೆ 3 ಮತ್ತು 4ನೇ ಸೆಮೆಸ್ಟರ್ NEP-2020 ಮಾದರಿಯ ಪಠ್ಯಕ್ರಮವನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿರುವ ಕುರಿತು.

ಉಲ್ಲೇಖ: 1. ಸರ್ಕಾರದ ಅಧೀನ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿಗಳು(ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾಲ ಯ 1) ಉನ್ನತ ಶಿಕ್ಷಣ ಇಲಾಖೆ ಇವರ ಆದೇಶ ಸಂಖ್ಯೆ: ಇಡಿ 260 ಯುಎನ್ಇ 2019(ಭಾಗ–1), ದಿ:7.8.2021.
2. ಕಲಾ ನಿಖಾಯ ಸಭೆಯ ಠರಾವುಗಳ ದಿನಾಂಕ: 13.09.2022
3. ವಿಶೇಷ ವಿದ್ಯಾವಿಷಯಕ ಪರಿಷತ್ ಸಭೆಯ ನಿರ್ಣಯ ಸಂ. 08, ದಿನಾಂಕ: 17.09.2022
4. ಮಾನ್ಯ ಕುಲಪತಿಗಳ ಆದೇಶ ದಿನಾಂಕ: 22-09-2022

ಮೇಲ್ಕಾಣಿಸಿದ ವಿಷಯ ಹಾಗೂ ಉಲ್ಲೇಖಗಳನ್ವಯ ಮಾನ್ಯ ಕುಲಪತಿಗಳ ಆದೇಶದ ಮೇರೆಗೆ, 2022–23ನೇ ಶೈಕ್ಷಣಿಕ ಸಾಲಿನಿಂದ ಅನ್ವಯವಾಗುವಂತೆ, **ಕಲಾ** ನಿಖಾಯದ ಎಲ್ಲ ಸ್ನಾತಕ ಕೋರ್ಸಗಳ ರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಶಿಕ್ಷಣ ನೀತಿ (NEP)-2020 ರಂತೆ 3 ಮತ್ತು 4ನೇ ಸೆಮೆಸ್ಟರ್‌ಗಳಿಗಾಗಿ ವಿಶೇಷ ವಿದ್ಯಾವಿಷಯಕ ಪರಿಷತ್ ಸಭೆಯ ಅನುಮೋದಿತ ಪಠ್ಯಕ್ರಮಗಳನ್ನು ಪ್ರಕಟಪಡಿಸಿದ್ದು, ಸದರ ಪಠ್ಯಕ್ರಮಗಳನ್ನು ಕ.ವಿ.ವಿ. www.kud.ac.in ಅಂತರ್ಜಾಲದಿಂದ ಡೌನಲೋಡ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳಲು ಸೂಚಿಸುತ್ತಾ, ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಹಾಗೂ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ಎಲ್ಲ ಬೋಧಕರ ಗಮನಕ್ಕೆ ತಂದು ಅದರಂತೆ ಕಾರ್ಯಪ್ರವೃತ್ತರಾಗಲು ಕವಿವಿ ಅಧೀನದ / ಸಂಲಗ್ನ ಮಹಾವಿದ್ಯಾಲಯಗಳ ಪ್ರಾಚಾರ್ಯರುಗಳಿಗೆ ಸೂಚಿಸಲಾಗಿದೆ.

ಕುಲಸಚಿವರು.

ಅಡಕ: ಮೇಲಿನಂತೆ

ಗೆ,
ಕರ್ನಾಟಕ ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾಲಯದ ವ್ಯಾಪ್ತಿಯಲ್ಲಿ ಬರುವ ಎಲ್ಲ ಅಧೀನ ಹಾಗೂ ಸಂಲಗ್ನ ಮಹಾವಿದ್ಯಾಲಯಗಳ ಪ್ರಾಚಾರ್ಯರುಗಳಿಗೆ. (ಕ.ವಿ.ವಿ. ಅಂತರ್ಜಾಲ ಹಾಗೂ ಮಿಂಚಂಚೆ ಮೂಲಕ ಬಿತ್ತರಿಸಲಾಗುವುದು)

ಪ್ರತಿ:

1. ಕುಲಪತಿಗಳ ಆಪ್ತ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿಗಳು, ಕ.ವಿ.ವಿ. ಧಾರವಾಡ.
2. ಕುಲಸಚಿವರ ಆಪ್ತ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿಗಳು, ಕ.ವಿ.ವಿ. ಧಾರವಾಡ.
3. ಕುಲಸಚಿವರು (ಮೌಲ್ಯಮಾಪನ) ಆಪ್ತ ಕಾರ್ಯದರ್ಶಿಗಳು, ಕ.ವಿ.ವಿ. ಧಾರವಾಡ.
4. ಅಧೀಕ್ಷಕರು, ಪ್ರಶ್ನೆ ಪತ್ರಿಕೆ / ಗೌಪ್ಯ / ಜಿ.ಎ.ಡಿ. / ವಿದ್ಯಾಂಡಳ (ಪಿ.ಜಿ.ಪಿಎಚ್.ಡಿ) ವಿಭಾಗ, ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ಕೋರ್ಸುಗಳ ವಿಭಾಗಗಳು ಪರೀಕ್ಷಾ ವಿಭಾಗ, ಕ.ವಿ.ವಿ. ಧಾರವಾಡ.
5. ನಿರ್ದೇಶಕರು, ಕಾಲೇಜು ಅಭಿವೃದ್ಧಿ / ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿ ಕಲ್ಯಾಣ ವಿಭಾಗ, ಕ.ವಿ.ವಿ. ಧಾರವಾಡ.

Karnataka University Dharawad

Department of Hindi

Implementation of National education policy 2020

Effect from 2022-2023 onwards

The department of Hindi has been designed the syllabus for U G Third & Fourth Semester as per the guidelines of national education policy (NEP) effect from 2022-23. The Hindi syllabi comprises of the following programs like Discipline Specific Core course (DSCC) Open Elective (OEC) and Ability Enhancement compulsory Course (AECC).

B.A. program Annexure 1 B

Discipline Specific CoreCourse **(DSCC**) Sub Course Code **: 013HIN011**

BA III Semester	Title of the paper	Credits	Marks
Paper-1 (A -5)	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और भक्तिकाल) History of Hindi literature (Aadhikaal our Bhaktikaal)	**03** **L T P** 3 + 0 +0	60 +40=100

Discipline Specific CoreCourse **(DSCC**) Sub Course Code **: 013HIN012**

BA III Semester	Title of the paper	Credits	Marks
Paper-2 (A-6)	नाटक तथा एकांकी (रंगमंच) Plays & One act plays (Theatres)	**03** **L T P** 3 + 0 +0	60 +40=100

Discipline Specific CoreCourse (**DSCC**) Sub Course Code **: 014HIN011**

BA IVSemester	Title of the paper	Credits	Marks
Paper-1 (A- 7)	हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल और आधुनिक काल) History of Hindi literature (Reetikaal our adhunik kaal)	**03** **L T P** 3 + 0 +0 **03**	60 +400=100

Discipline Specific CoreCourse (**DSCC**) Sub Course Code **: 014HIN012**

BA IVSemester	Title of the paper	Credits	Marks
Paper-2 (A- 8)	साहित्यिक निबंध (Literary Essays)	**L T P** 3 + 0 + 0	60 +40=100

Exit Option with certificate Course

Open elective Course (**OEC**) Sub Course Code : **003HIN051**

Semesters III	Title of the paper	Credits	Marks
III OEC A- 3	**संप्रेषण कला/जीवनी/ आत्मकथा** **(**Translation skills/Life sketch)	**03** **L T P** 3 + 0 + 0	60 +40=100
Open elective Course (**OEC**) Sub Course Code **: 004HIN051**			
Semesters IV	**Title of the paper**	**Credits**	**Marks**
IV OEC A-4	**जनसंचार माध्यम/चरित्र निर्माण/व्यक्तित्व विकसन**	**03** **L T P** 3 + 0 + 0	60 +40=100

Karnataka University Dharawad

Department of Hindi

Syllabus for **BA 3rd semester Discipline Specific Core Course (DSCC)**

Sub Course Code **: 013HIN011**

Marks

Theory-60

(Test-20, Assignment/tutorial/ GD *** 1-**10, Seminar-10) Internal Assessment-40

Total-100

Teaching hours-3 Hours **3 Credits** **A-5**

Exmination Duration -2hours

Text books-1 History of Hindi literature
हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और भक्तिकाल)

Distribution of marks (Question Paper Pattern)

A	Questions on history of Hindi literature	5 out of 6	5x2=10 Marks
B	Questions on History of Hindi literature	4 out of 5	4x5=20 Marks
C	Questions on history of Hindi literature	3 out of **4**	3x10=30 Marks
		Theory	60 Marks
		Internal	40 Marks
		Total	100 Marks

DSCC-A-5

Expected course outcome

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल औरभक्तिकाल)

- **हिंदीसाहित्यकेइतिहासकाविश्लेषणात्मक**ज्ञान।
- इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्टज्ञान प्राप्त करना।
- इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगी।
- हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन की समझ विकसित होगी।
- हिंदी साहित्य के प्राचीन तथा मध्यकालीन परिस्थितियों की जानकारी होगी।
- प्रत्येक काल के कवियों के व्यक्तित्व,कृतित्व औरयोगदानकाज्ञान प्राप्त होगा।

* Group Discussion

Text books **1 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और भक्तिकाल)**

अध्ययन के लिए

UnitI हिंदी साहित्य का कालविभाजन**,** आदिकाल का नामकरण**,** परिस्थितियाँ**,** और काव्यगत विशेषताएँ।

UnitII अपभ्रंश साहित्य**,** नाथ साहित्य**,** जैन साहित्य**,**सिध्द साहित्य और रासो साहित्य का परिचय । अमीरखुसरो**,**

चंदबरदाई**,** नरपति नाल्ह, जगनिक**,** विद्यापती **भटट केदार, मधुकर कवि आ**दि कवियों का परिचय।

UnitIII- भक्तिकाल की परिस्थितियाँ, भक्ति की विभिन्न धाराएँ-निर्गुण धारा, सगुण धारा, विभिन्न शाखा- ज्ञानाश्रयी शाखा, प्रेमाश्रयी शाखा, कृष्ण भक्ति शाखा राम भक्ति शाखा, सूफी कवि आदि का अध्ययन। भक्तिकाल सुवर्ण युग, तत्कालीन विशेषताएँ।

Unit IV- भक्तिकाल के प्रमुख कवि-कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, मीरा और अष्टछाप के कवि,सूफी कवि और उनकी रचनाओं का परिचय।

संदर्भ ग्रंथ(Reference books)

- हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य- रामचंद्र शुकल।
- साहित्यिक निबंध-गणपति चंद्र गुप्त।
- हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचंद्र शर्मा।
- हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डा. शिवकुमार शर्मा।
- हिंदी साहित्य का इतिहास-डा-नगेंद्र
- हिंदी साहित्य की भूमिका-आचार्य- हजारी प्रसाद द्विवेदी।

Karnataka University Dharawad

Department of Hindi

Syllabus for **BA 3rd semester Discipline Specific Core Course (DSCC)**

Sub Course Code **: 013HIN012**

Marks

Theory-60

(Test-20, Assignment/tutorial / * GD- 10, Seminar-10) Internal Assessment-40

Total-100

Teaching hours-3 Hours **3 Credits** **A-6**

Examination Duration – 2 hrs

Text books-1**Naatak Tatha Ekanki (Rangamanch)**

Distribution of marks (Question Paper Pattern)

A	Questions on play and one act plays	5 out of 6	5x2=10 Marks
B	Reference to context two from each section	4 out of 5	4x5=20 Marks
C	Questions on play and one act plays	3 out of **4**	3x10=30 Marks
		Theory	60 Marks
		Internal	40 Marks
		Total	100 Marks

Discipline Specific Core Course (DSCC)

Texts- **1 धृवस्वामिनी- जयशंकर प्रसाद। वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।**

2 कालजयी एकांकी

संपादक- हिन्दी स्नातक अध्ययन मंडल

कालीकट विश्वविद्यालय

कालीकट-केरल

अमन प्रकाशन कानपुर

Expected course outcome –**साहित्य की अन्य विधाओं में नाटक एक महत्वपूर्ण विधा है। जिसके माध्यम से न केवल साहित्यिक क्षमता का विकास होता है, बल्कि इस एक विधा से अन्यान्य विधाओं से जैसे कविता, कहानी का कल्पना लोक भी जुडता है। नाटक की कथावस्तु जहाँ एक तरफ कहानी बुनने का कला में पारंगत करती है। इसके अध्ययन से –**

- **मौखिक वाचन और लेखन शक्ति का विकास**
- **भावनाओं का उदात्तीकरण और उनका व्यक्तित्व निर्माण में सहयोग**
- **विवेक संपन्नता और भावनात्मक अभिव्यक्ति को सही दिशा और दृष्टि प्रदान करना**
- **नाटक के अभिनेता से जुडकर साहित्य की अन्य विधाओंसे** ज्ञान अर्जित करना
- **जीव जगत तथा साहित्य के प्रति नवीन सौंदर्यानुभूति प्रदान करना**
- **नैतिक मूल्यों के विस्तार से वैश्विक मूल्यों को प्रदान करना**
- **जीवन दर्शन के प्रति तार्किक विकास करना**

अध्ययन के लिए

UnitI-**जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय, ध्रुवस्वामिनी नाटक का विश्लेषणात्मक अध्ययन |**

UnitII- **कथावस्तु, पात्र और चरित्र-चित्रण, संवाद, रंगमंच अभिनय और उद्देश्य की दृष्टि से प्रस्तुत नाटक**का तात्विक विवेचन।

UnitIII-**एकांकी का उद्भव एवं विकास का परिचय, ममता कालिया-जान से प्यार, विनोद रस्तोगी-बहू की बिदा |**

Unit-IV-**स्वदेश दीपक-शादी, ओम प्रकाश-रिहर्सल**

संदर्भ ग्रंथ (Reference books)

- **हिंदी नाटक का उदभव एवं विकास- डा-दशरथ ओझा**
- **हिंदी नाटक साहित्य का आलोचनात्मक अध्ययन- डा- रामचरण**
- **हिंदी के स्वच्छंदतावादी नाटक- डा-देवेर्शी सनादय**
- **हिंदी के समस्यात्मक नाटक-विनयकुमार**
- **रंगमंच और नाटक की भूमिका-लक्ष्मीनारायण**
- **हिंदी एकांकी नाटक और एकांकीकार- डा-रामचरण**

Karnataka University Dharawad

Department of Hindi

Syllabus for BA 4th semester Discipline Specific Core Course (DSCC)

Sub Course Code **: 014HIN011**

Marks

Theory-60

(Test-20, Assignment/tutorial GD*-10, Seminar-10) Internal Assessment-40

Total-100

Teaching hours- 3 Hours 3 Credits A-7

Examination Duration 2 hrs

Text books- 1 **हिंदी साहित्य का इतिहास**

(रीतिकाल और आधुनिक काल)

Distribution of marks (Question Paper Pattern)

A	Questions on history of Hindi literature(Reetikaal our bhaktikaal)	5 out of 6	5x2=10 Marks
B	Questions on History of Hindi literature(Reetikaal our bhaktikaal)	4 out of 5	4x5=20 Marks
C	Questions on history of Hindi literature (Reetikaal our bhaktikaal)	3 out of **4**	3x10=30 Marks
		Theory	60 Marks
		Internal	40 Marks
		Total	100 Marks

Discipline Specific Core Course (DSCC) -A-7

हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल और आधुनिक काल)

Expected course outcome-

- हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान।
- इतिहास लेखन, प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्राप्त करना।
- इतिहास लेखन और साहित्यिक इतिहास की समझ विकसित होगी|
- हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन की समझ विकसित होगी।
- हिंदी साहित्य के रीतिकाल तथा आधुनिक काल की परिस्थितियों की जानकारी होगी।

प्रत्येक काल के कवियों के व्यक्तित्व,कृतित्व और योगदान का ज्ञान प्राप्त होगा।

<u>अध्ययन के लिए</u>

Unit I-रीतिकाल की परिस्थितियाँ, रीतिकाल के अन्य नाम, रीतिबद्ध कविताएँ, रीतिमुक्त कविताएँ, रीतिकाल के प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ। आ-केशवदास, रसखान, भूषण, देव, घनानंद, बिहारी और मतिराम आदि। रीतिकाल की विशेषताएँ।

Unit II-आधुनिक काल-गद्य का उदभव एवं विकास, नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी, निबंध और आलोचना का उदभव एवं विकास।

Unit III-हिंदी पद्य- छायावाद, रहस्यवाद, प्रयोगवाद, हालावादी कविता और नई कविताओं का परिचय।

Unit IV-टिप्पणी के लिए-नाटककार के रूप में भारतेंदु, प्रसाद, मोहन राकेश जगदीश चंद्र माथुर आदि। एकांकीकार के रूप में डा-रामकुमार वर्मा, उपेंद्रनाथ अश्क, विष्णु प्रभाकर, हरिकृष्ण प्रेमी आदि। कथाकार के रूप में-प्रेमचंद, जैनेंद्रकुमार, प्रसाद और भीष्म साहनी। छायावादी कवि के रूप में-पंत निराला, प्रसाद और महादेवी वर्मा। हालावादी कवि के रूप में बच्चन। प्रयोगवादी कवि के रूप में **अज्ञेय |**

संदर्भ ग्रंथ (Reference books)

- हिंदी साहित्य का इतिहास-आचार्य- रामचंद्र शुकल ।
- साहित्यिक निबंध-गणपति चंद्र गुप्त ।
- हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचंद्र शर्मा ।
- हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ-डा. शिवकुमार शर्मा ।
- हिंदी साहित्य का इतिहास-डा-नगेंद्र
- हिंदी साहित्य की भूमिका-आचार्य- हजारी प्रसाद द्विवेदी।

Karnataka University Dharawad

Department of Hindi

Syllabus for **BA 4th semester Discipline Specific Core Course (DSCC)**

Sub Course Code **: 014HIN012**

Marks

Theory-60

(Test-20, Assignment/tutorial/ GD*-10, Seminar-10) Internal Assessment- 40

Total-100

Teaching hours-3 Hours **3 Credits** **A-8**

Examination Duration 2 hrs

Text books-1Literary essays

निबंध विविधा-सं-डा नागेश्वर सिन्ह,डा-मायाप्रसाद

Distribution of marks (Question Paper Pattern)

A	Questions on essays	5 out of 6	5x2=10 Marks
B	Reference to context from essays	4 out of 5	4x5=20 Marks
C	Questions on essays	3 out of **4**	3x10=30 Marks
		Theory	60 Marks
		Internal	40 Marks
		Total	100 Marks

Discipline Specific Core Course (DSCC)

Texts- **1. निबंध विविधा-सं-डा नागेश्वर सिन्ह, डा-मायाप्रसाद, विद्यावासिनी नन्दन पाण्डेय जयभारती प्रकाशन इलाहाबाद**

Expected course outcome-

- **निबंध साहित्य के योगदान के बारे में जानकारी मिलेगी**
- **निबंध की विभिन्न शैलियों की समझ विकसित होगी**
- **निबंधों का विश्लेषणात्मक अध्ययन के लिए सुविधा मिलेगी**
- **निबंध के प्रकारों के बारे में जानकारी मिलेगी**
- **गद्य साहित्य में कठिन विधा और गंभीर विधा अध्ययन करने का अवसर मिलेगा**
-

अध्ययन के लिए-

UnitI- **हिंदी निबंध साहित्य का उदभव एवं विकास, आत्म निर्भरता- बालकृष्ण भट्ट**

आपने मेरी रचना पढ़ी होगी- हजारी प्रसाद द्विवेदी

UnitII- **लज्जा और ग्लानी-आ. रामचंद्र शुक्ल**

मेरी रूमाल खो गई-विद्यनिवास मिश्र

UnitIII- **निंदा रस-हरीशंकर परसाई**

पर्वत पुत्र-महादेवी वर्मा

UnitIV- **प्रेमचंद: एक कथाकार-आ. नंददुलारे वाजपेयी**

अध्यक्ष महोदय-शरद जोशी

संदर्भ ग्रंथ **(Reference books)**

- निबंध और विविध गद्य-डा-राजेंद्र मिश्र, डा-देवश राठौर तक्षशिला प्रकाशन नई दिल्ली
- उपयोगी हिंदी निबंध- डा-परबतसिंह समोरेकर, विद्या प्रकाशन कानपुर
- आधुनिक हिंदी निबंध-शामचंद्र कपूर किताबघर प्रकाशन नईदिल्ली
- साहित्यिक निबंध-गणपतीचंद्र गुप्त,शिल्पायन प्रकाशन नई दिल्ली

Karnataka University Dharawad

Department of Hindi

Syllabus for BA **3rd** semester Open Elective Course (OEC) Sub Course Code **: 003HIN051**

Marks

Theory-60

(Test-20, Assignment/tutorial GD*l-10, Seminar-10) Internal Assessment-40

Total-100

Teaching hours-3 Hours 3 Credits **OEC (A-3)**

Examination Duration 2 hrs

Text books-Translation skills

Distribution of marks (Question Paper Pattern)

A	Questions on translation	5 out of 6	5x2=10 Marks
B	Questions on translation	4 out of 5	4x5=20 Marks
C	Questions on translation two paragraph from Kannada or English to Hindi	3 out of **4**	3x10=30 Marks
		Theory	60 Marks
		Internal	40 Marks
		Total	100marks

Open elective course OCE-3

अनुवाद कौशल/जीवनी या आत्मकथा

Expected course outcome

- **छात्रों में अनुवाद कौशल का विकास होता है।**
- **अनुवाद कला द्वारा बेरोजगारी की समस्या से मुक्त हो सकते हैं।**
- **विविध भाषाओं के साहित्य में निहित मूल उद्देश्य को जान सकते हैं|**
- **आधुनिक संदर्भ में विज्ञन एवं तकनीकि के महत्व को प्राप्त कर सकते हैं।**
- **प्रमुख वैज्ञानिकों के जीवनी या आत्मकथा को पढ़कर खुद के व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं।**

Text books-

१. **अनुवाद विज्ञान**
लेखक- भोलानाथ तिवारी
प्रकाशन : किताबघर नई दिल्ली

२. **अनुवाद चिंतन**
लेखक- प्रो. अर्जुन चव्हान
प्रकाशन : अमन प्रकाशन, कान्पूर

३. **प्रयोजनमूलक हिंदी**
लेखक-डा बालचंद्र तोंडिहाल
प्रकाशन : भास्कर प्रकाशन हुबली

Unit-I **अनुवाद की परिभाषा, अर्थ, स्वरूप और उसका महत्व।**

Unit II **अनुवाद प्रक्रिया, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा का परिचय तथा अनुवादक के गुण।**

Unit III-**अनुवादक के दायित्व**, **अनुवाद की आवश्यकता**, **अनुवाद की समस्याएँ और समाधान ।**

Unit IV-**अनुवाद के क्षेत्र, अनुवाद के प्रकार, अनुवाद की सीमाएँ, अनुवाद के नमूने।**

संदर्भ ग्रंथ (Reference books)

- **प्रयोजनमूलक हिंदी- डा- नरेश मिश्र, राजपाल एण्ड** सन्स नई दिल्ली ।
- **प्रयोजनमूलक हिंदी- डा- बशीरुद्दीन मदरी, गीता प्रकाशन हैदराबाद**
- **सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग-गोपिनाथ श्रीवास्तव, लोक भारती प्रकाशन ।**
- **प्रयोजनमूलक हिंदी- राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा।**

Karnataka University Dharawad

Department of Hindi

Syllabus for BA **4th** semester Open Elective Course (OEC) Sub Course Code **: 004HIN051**

Marks

Theory-60

(Test-20, Assignment/tutorial GD*-10, Seminar-10) Internal Assessment-40

Total-100

Teaching hours-3 Hours 3 Credits **OEC (A-4)**

Examination Duration 2 hrs

Text books-1Mass communication (**जनसंचार माध्यम)**

Distribution of marks (Question Paper Pattern)

A	Questions on mass media	5 out of 6	5x2=10 Marks
B	Questions on mass media	4 out of 5	4x5=20 Marks
C	Questions on mass media	3 out of **4**	3x10=30 Marks
		Theory	60 Marks
		Internal	40 Marks
		Total	100marks

Open elective course OCE-4

Expected course outcome-**जनसंचार माध्यम/चरित्र निर्माण/व्यक्तित्व विकास**

- **छात्र जनसंचर के महत्व को जान लेंगे।**
- **विभिन्न सोसियल मीडिया से छात्र परिचित होंगे।**
- **छात्रों में सृजनात्मक गुण का विकास होगा।**
- **सरकारी या गैर सरकारी नौकरी के लिए सुविधा होगी।**
- **स्वयं के चरित्र निर्माण द्वारा समाज को विकास के अग्रसर कर सकेंगे।**
- **आदर्श समाज के स्थापना में स्वयं की भागीदारी को अंक्ति कर सकेंगे।**

Text books-

१. **जनसंचार और पत्रकारिता**

लेखक- डा अर्जुन तिवारी

प्रकाशन : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

२. **हिन्दी पत्रकारिता**

लेखक- डा पी. लता

प्रकाशन : लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग- इलाहाबाद

अध्ययन के लिए-

Unit I-**जनसंचार की परिभाषा, अर्थ, स्वरूप और महत्व।**

Unit II-**जनसंचार की प्रक्रिया, संचार के तत्व, मौखिक संचार माध्यम।**

Unit III-**जनसंपर्क और जनसंचार, विज्ञापन और जनसंचार।**

Unit IV-**चलचित्र और जनसंचार, आकाशवाणी, दूरदर्शन और संचार क्रांति।**

संदर्भ ग्रंथ (Reference books)

- **हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार-डा ठाकुरदत्त शर्मा "आलोक" वाणी प्रकाशन नई दिल्ली**
- **पत्रकारिता: एक परिचय-संदीप कुमार श्रीवास्तव जयभारती प्रकाशन जयभारती प्रकाशन इलाहाबाद**
- **संप्रेषण और लेखन हिंदी-बालचंद्र तोंडिहाल, भास्कर प्रकाशन हुबली**
- **-जनसंचार माध्यम/चरित्र निर्माण/व्यक्तित्व विकास**